Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2025: 8.326,
https://www.srjis.com/issues_data/282
PEER REVIEWED, REFEREED & INDEXED JOURNAL, DEC-JAN 2026, VOL-14/73
https://doi.org/10.5281/zenodo.18770353

माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन

रेखा रानी

शोधार्थिनी (शिक्षा विभाग), आई०आई०एम०टी० यूनिवर्सिटी, मेरठ

डॉ० कौशल शर्मा

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (शिक्षा विभाग), आई०आई०एम०टी० यूनिवर्सिटी, मेरठ

Paper Received On: 21 December 2025

Peer Reviewed On: 25 January 2026

Published On: 01 February 2026

Abstract

प्रस्तुत शोध–पत्र माध्यमिक स्तर पर अध्यापनरत् शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर पड़ने वाले प्रभाव का गहन तथा व्यवस्थित विश्लेषण प्रस्तुत करता है। वैसे तो जीवन में शिक्षा के सभी स्तर महत्वपूर्ण होते हैं लेकिन विद्यार्थियों के व्यक्ति निर्माण, शैक्षणिक उपलब्धि, सामाजिक विकास तथा भावनात्मक परिपक्वता के दृष्टिकोण से माध्यमिक स्तर को अत्यन्त महत्वपूर्ण माना जाता है। क्योंकि इस स्तर पर शिक्षक का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को ज्ञान देना नहीं होता है। बल्कि इस स्तर पर शिक्षक मार्गदर्शक, प्रेरक, मूल्य निर्माता की भूमिका भी निभाता है। ऐसी स्थिति में शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति जिसके अन्तर्गत शिक्षण के प्रति रूचि, समर्पण, नवाचार विद्यार्थी केन्द्रित दृष्टिकोण, पेशेवर प्रतिबद्धता एवं सकारात्मक सोच सम्मिलित होती है– शिक्षक की शिक्षण प्रभावशीलता को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।

प्रस्तुत शोध–पत्र का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के विभिन्न आयामों का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करना तथा शिक्षण अभिवृत्ति और शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सम्बन्ध की प्रकृति एवं दिशा को स्पष्ट करना है। प्रस्तुत शोध–पत्र के अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के लिए माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के चयन में यादृच्छिक नमूना पद्धति को प्रयोग में लाया गया है। प्रस्तुत शोध–पत्र में अध्ययन के लिए एकत्रित किए गए आँकड़ों के संकलन हेतु मानकीकृत शिक्षण अभिवृत्ति मापनी तथा शिक्षण प्रभावशीलता मापनी को प्रयोग में लाया गया है। तथा इन आँकड़ों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीकी जैसे माध्यम, मानक विचलन, 't' परीक्षण सह–संबंध गुणांक को प्रयोग में लाया गया है।

प्रस्तुत शोध–पत्र के अध्ययन में यह परिणाम निकला है कि शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति और उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक एवं सार्थक संबंध पाया जाता है। जिन शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति सकारात्मक एवं विद्यार्थी केन्द्रित होती है उनकी शिक्षण प्रभावशीलता का स्तर उच्च होता है तथा जिन शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति नकारात्मक होती है उनकी शिक्षण प्रभावशीलता का स्तर निम्न होता है। अतः शिक्षण अभिवृत्ति शिक्षण प्रभावशीलता को प्रभावित करती है। इसलिए सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति के विकास पर बल देकर माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

मुख्य शब्द :– *माध्यमिक विद्यालय, शिक्षण प्रभावशीलता, शिक्षण अभिवृत्ति।*

Copyright@2026 Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

प्रस्तावना :

किसी भी समाज के विकास की आधारशिला शिक्षा को माना जाता है। समाज के अन्दर शिक्षा एक प्रक्रिया है और शिक्षक इस प्रक्रिया का केन्द्रीय स्तम्भ होता है। किसी भी शैक्षिक व्यवस्था का सफल या असफल होना शिक्षक के दायित्वों के निर्वहन पर निर्भर करता है। सम्पूर्ण शिक्षा में माध्यमिक स्तर की शिक्षा को विशेष महत्व दिया जाता है, क्योंकि माध्यमिक स्तर शिक्षा का वह स्तर होता है जिस स्तर पर विद्यार्थी बाल्यावस्था से किशोरावस्था में प्रवेश करता है इस स्तर को बाल्यावस्था तथा किशोरावस्था के बीच की कड़ी माना जाता है। इस स्तर पर विद्यार्थियों के बौद्धिक, भावनात्मक सामाजिक एवं नैतिक विकास तीव्र गति से होता है। इस स्तर की शिक्षा द्वारा विद्यार्थियों का बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक एवं नैतिक विकास को तीव्र गति से किया जाता है। इस स्तर की शिक्षा द्वारा केवल उनके शैक्षणिक भविष्य को निर्धारित नहीं किया जाता, बल्कि इस स्तर की शिक्षा द्वारा उनके व्यक्तित्व और जीवन–दृष्टि के निर्माण भी किया जाता है। इस स्तर की शिक्षा की तरह इस स्तर के शिक्षकों को भी विशेष स्थान प्राप्त होता है। इस स्तर पर कार्यरत शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। माध्यमिक स्तर के शिक्षक की भूमिका केवल पाठ्यक्रम की विषय–वस्तु को पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इस स्तर के शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरक, परामर्शदाता एवं आदर्श के रूप में भी कार्य करता है। माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का शिक्षण के दौरान कक्षा–कक्ष में व्यवहार, उसकी शिक्षण शैली, शिक्षण के प्रति दृष्टिकोण तथा विद्यार्थियों के साथ उनका सम्बन्ध शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। इसी सन्दर्भ में शिक्षण अभिवृत्ति का महत्व सामने आता है। (एडम्स जे0एफ0, 1964)[1]

शिक्षण अभिवृत्ति का अर्थ होता है शिक्षक का शिक्षण के प्रति दृष्टिकोण रूचि,, भावना, विश्वास तथा शिक्षण कार्य के प्रति उसका मानसिक रूप से तैयार होना।

शिक्षण अभिवृत्ति दो प्रकार की होती है–

1. सकारात्मक 2. नकारात्मक

जिस शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति सकारात्मक होती है वह कक्षा में उत्साहपूर्ण वातावरण का निर्माण करता है, वह अपने शिक्षण के दौरान नवीन शिक्षण विधियों का प्रयोग करता है, विद्यार्थियों की व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझता है तथा उन्हें सक्रीय सहभागिता के लिए प्रेरित करता है। तथा जिस शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति नकारात्मक या उदासीन होती है, तो उसका प्रभाव शिक्षण प्रक्रिया कक्षा अनुशासन, विद्यार्थी प्रेरणा अधिगम परिणामों पर प्रतिकूल रूप से पड़ता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अभिवृत्ति शिक्षण प्रभावशीलता का एक महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व है। (एन0एल0 गेज, 1963)[2]

शिक्षण प्रभावशीलता से तात्पर्य शिक्षक की उस क्षमता से है जिसके माध्यम से शिक्षक अपने शैक्षिक उद्देश्यों को प्रभावी ढ़ंग से प्राप्त करता है तथा विद्यार्थियों में अपेक्षित ज्ञान, कौशल अभिवृत्तियों एवं मूल्यों का विकास करता है। किसी शिक्षक के प्रभावी शिक्षण में स्पष्ट उद्देश्यों का निर्धारण उपयुक्त शिक्षण विधियों का चयन, शिक्षण सहायक सामग्री का सार्थक उपभोग, प्रभावी संप्रेषण कक्षा प्रंबधन तथा उचित मूल्यांकन प्रक्रियाएँ सम्मिलित होती है। स्मिथ (1957)[3] के अनुसार एक प्रभावी शिक्षक उस शिक्षक को नहीं कहा जाता जो केवल विषय–वस्तु में निपुण हो बल्कि प्रभावी शिक्षक वे होते हैं जो विषय–वस्तु के साथ–साथ विद्यार्थियों की रूचियों, आवश्यकताओं एवं क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण को रोचक एवं उद्देश्यपूर्ण बना सके।

वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षण पद्धति एकदम बदल गयी है आज वर्तमान में शिक्षण कार्य के अन्दर तकनीकी प्रगति, पाठ्यक्रमीय परिवर्तन, समावेशी शिक्षा तथा डिजिटल शिक्षण जैसी पद्धतियाँ जन्म ले रही हैं जिनके द्वारा शिक्षक की भूमिका और अधिक जटिल होती जा रही है। इन सभी परिवर्तनों के कारण शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। जिस शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति सकारात्मक होती है वो इन सभी पद्धतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करता है और अपने शिक्षण को निरन्तर परिष्कृत करता है।

शिक्षण अभिवृत्ति एवं शिक्षण प्रभावशीलता दोनों ही शिक्षा की गुणवत्ता में घनिष्ठ रूप से संबंधित है, लेकिन फिर भी इन दोनों के मध्य प्रभाव और संबंध को दृष्टिकोण में रखते हुए वैज्ञानिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययनों की आवश्यकता निरन्तर महसूस होती रही है। विशेषकर यें अध्ययन माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना तथा शैक्षिक नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

इन सभी तथ्यों को दृष्टिकोण रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया हैं।

शोध का कथन :

माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

शोध में प्रयुक्त मुख्य शब्दों का परिभाषीकरण :

माध्यमिक विद्यालय :

माध्यमिक विद्यालय से तात्पर्य उस विद्यालय से है जिसमें कक्षा 9^{th} से 12^{th} तक की पढ़ायी करायी जाती है।

शिक्षण प्रभावशीलता : ब्रेकर (2013)[4] के अनुसार– ''शिक्षण प्रभावशीलता शिक्षक का वह गुण है जो शिक्षण हेतु आधारभूत कौशलों का विकास करते हुए विद्यार्थियों में अवबोध स्तर, अध्ययन आदत उपयुक्त कार्य संस्कृति, मूल्य संवर्द्धन, अनुकूल मनोवृत्तियाँ तथा वैयक्तिक समायोजन का विकास करें।''

शिक्षण अभिवृत्ति : थर्स्टर्न (1929) के अनुसार[5] ''अभिवृत्ति किसी मनोवैज्ञानिक वस्तु से सम्बन्धित धनात्मक या ऋणात्मक प्रभाव की मात्रा है।''

अध्ययन की आवश्यकता :

प्राचीनकाल से लेकर वर्तमान तक शिक्षा को समाज के विकास का प्रमुख आधार माना जाता है। तथा माध्यमिक शिक्षा को इस विकास क्रम का सेतु कहा जाता है। इस स्तर पर प्राप्त शैक्षिक अनुभवों के द्वारा ही विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा, व्यवसायिक चयन तथा जीवन मूल्यों की दिशा का निर्धारण किया जाता है। इसी कारण से माध्यमिक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष महत्व दिया जाता है। शिक्षा की गुणवत्ता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिक्षक की कार्य कुशलता, शिक्षण प्रभावशीलता को प्रभावित करती है। इसी कारण से शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं उनकी शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन शैक्षिक दृष्टि से अत्यधिक आवश्यक है।

वर्तमान समय में शिक्षकों को शिक्षण के अन्तर्गत अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है– नयी–नयी तकनीकी संसाधनों का प्रयोग, व्यापक मूल्यांकन, समावेशी शिक्षा में बदलते पाठ्यक्रम। इन सभी परिस्थितियों के अन्तर्गत शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति उनकी शिक्षण प्रभावशीलता को प्रभावित करती है। जिस शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति सकारात्मक होती है वह इन चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर लेता है और जिस शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति नकारात्मक होती है उसकी शिक्षण प्रभावशीलता में गिरावट का कारण बन जाती है।

वैसे तो शिक्षण अभिवृत्ति और शिक्षण प्रभावशीलता दोनों पर अलग–अलग अनेक अध्ययन उपलब्ध है, लेकिन फिर भी माध्यमिक स्तर पर इन दोनों चरों के मध्य प्रभावात्मक संबंध पर आधारित विश्लेषणात्मक अध्ययनों की संख्या सीमित देखने को मिलती है। इसलिए इस अध्ययन की आवश्यकता महसूस की गई है जिसमें यह स्पष्ट किया जा सके कि शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति उनकी शिक्षण प्रभावशीलता को किस सीमा तक प्रभावित कर सकती है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन :

शिक्षण प्रभावशीलता से सम्बन्धित अध्ययन :

रेड्डी (2001)[6] ने ''ए स्टडी ऑफ जॉब सेटिस्फैक्शन एण्ड टीचर इफैक्टिवनेस ऑफ प्राइमरी स्कूल टीचर्स' पर शोध किया उन्होंने बताया कि योग्यता और अनुभव शिक्षण प्रभावशीलता पर प्रभाव नहीं डालती।

विजयालक्ष्मी जी (2015)[7] ने शिक्षण प्रभावशीलता और महिला शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि पर एक अध्ययन किया और उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि शिक्षण प्रभावशीलता और कार्य संतुष्टि के बीच सकारात्मक सह–संबंध होता है।

हरिप्रिया सी0 (2018)[8] ने माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता पर एक अध्ययन किया और निष्कर्ष किया कि 40 वर्ष से ऊपर वाले शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता उच्च स्तर की होती है।

सिंह0वाई0जी0 (2022)[9] ने कुछ चरों के सम्बन्ध में शिक्षण प्रभावशीलता पर एक अध्ययन किया तथा उन्होंने निष्कर्ष में बताया कि शहरी क्षेत्रों में कार्यरत प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का औसत स्कोर ग्रामीण क्षेत्र के समकक्षों की तुलना में अधिक प्रभावी है।

श्री निवासुलु बी0 (2022)[10] ने मानसिक स्वास्थय, तनाव और भावनात्मक बुद्धिमता के संबंध में शिक्षकों की प्रभावशीलता पर एक अध्ययन किया तथा उन्होंने बताया कि जितनी बुद्धिमत्ता अधिक होगी उतना शिक्षण प्रभावशीलता अधिक होगी।

उषा0ए0 बोरकर (2023)[11] ने शिक्षक तनाव के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि शिक्षक तनाव का शिक्षण प्रभावशीलता के साथ नकारात्मक संबंध है।

उमेन्द्र मलिक (2024)[12] ने उनके लिंग और इलाके के संबंध में शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन किया और अपने निष्कर्ष से बताया कि लिंग और इलाके का शिक्षण प्रभावशीलता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

मोहन एन0 खटाल (2024)[13] ने शिक्षण प्रभावशीलता के मनोवैज्ञानिक सह–संबंध पर एक शोध किया और अपने निष्कर्ष से बताया जो अपने कार्य से खुश है उनकी शिक्षण प्रभावशीलता अधिक उच्च स्तर की होती है।

शिक्षण अभिवृत्ति से सम्बन्धित अध्ययन :

सोई बेम्चा (2016)[14] ने ''एटीट्यूड ऑफ टीचर्स टूवर्ड्स टीचिंग प्रोफेशन'' विषय पर शोध किया तथा उन्होंने अपने निष्कर्ष में बताया कि युवा शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति वरिष्ठ शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति की अपेक्षा सकारात्मक होती है।

विजय एवं वशत्राद (2016)[15] ने ''रिलेशनशिप बिटविन जॉब सेटिसफैक्शन एण्ड एटीट्यूड टीचिंग प्रोफेशन ऑफ मेल एण्ड फीमेल सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स ऑफ गदगा डिस्ट्रिक्ट'' पर अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि पुरुष शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति और कार्य संतुष्टि में सकारात्मक सह–संबंध होता है जबकि महिला शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति और कार्य संतुष्टि में कोई सह–संबंध नहीं होता।

शर्मा (2015)[16] ने ''इंस्टीट्यूट ऑफ द सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स चण्डीगढ़ टूवर्ड्स टीचिंग प्रोफेशन इन रिलेशन टू टीचिंग कॉम्पेटेन्सीज'' पर अध्ययन किया तथा उन्होंने बताया कि शिक्षण दक्षता और शिक्षण अभिवृत्ति में सकारात्मक सह–संबंध होता है।

कुमार (2015)[17] ने राजकीय एवं गैर राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का अध्ययन किया और अपने निष्कर्ष में बताया कि राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में महिलाओं की शिक्षण अभिवृत्ति का स्तर निम्न होता है और गैर राजकीय विद्यालयों में पुरुष शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति उच्च स्तर की होती है।

रोनाड (2014)[18] ने ''ए स्टडी ऑफ टीचर्स वैल्यू एण्ड देयर टू जॉब सेटिस्फैक्शन'' पर अध्ययन किया तथा उन्होंने पाया शहरी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति ग्रामीण विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति की अपेक्षा उच्च स्तर की होती है।

बनर्जी एवं बेहेरा (2014)[19] ने ''एन इनवेस्टीगेशन इन टू द एटीट्यूड ऑफ सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स टूवर्ड्स टीचिंग प्रोफेशन इन पुललिया डिस्ट्रिक ऑफ वेस्ट बंगाल इण्डिया'' पर शोध किया और उन्होंने निष्कर्ष दिया कि पुरुषों की शिक्षण अभिवृत्ति औसत या संतोषजनक होती है।

त्रिवेदी (2012)[20] ने ''ए स्टडी ऑफ एटीट्यूड ऑफ टीचर्स टूवर्ड्स टीचिंग ऑफ प्रोस्पेक्टिव टीचर्स'' विषय पर शोध किया तथा इन्होंने निष्कर्ष दिया कि प्रशिक्षण का शिक्षण अभिवृत्ति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

साहनी (2011)[21] ने ''एटीट्यूड टुवर्ड्स टीचिंग इफैक्टिवनेस ऑफ प्रोस्पोक्टिव टीचर्स विषय पर शोध कार्य किया। तथा उन्होंने निष्कर्ष दिया कि प्रशिक्षण का शिक्षण अभिवृत्ति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे शिक्षण प्रभावाशीलता में भी वृद्धि होती है।

हुसैन (2011)[22] ने माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया और परिणाम में पाया कि शिक्षण और शिक्षण व्यवसाय के बीच सकारात्मक सम्बन्ध होता है। महिला शिक्षकों में पुरुष शिक्षकों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति पायी जाती है।

सिंह (2011)[23] ने अपने अध्ययन में शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्तियों को जानने का प्रयास किया और पाया कि पुरुष शिक्षकों में शिक्षण अभिवृत्ति और शिक्षण कार्य के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया जाता है।

शोध के उद्देश्य :

1. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति और उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध ज्ञात करना।
2. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (शिक्षा के प्रति रूचि) का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध ज्ञात करना।

3. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (नवाचार) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध ज्ञात करना।
4. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (विद्यार्थी केन्द्रित दृष्टिकोण) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध ज्ञात करना।
5. शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (व्यवसाय–प्रतिबद्धता) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध ज्ञात करना।
6. उच्च तथा निम्न शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता की तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ :

1. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति और उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (शिक्षण के प्रति रूचि) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (नवाचार) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
4. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (विद्यार्थी–केन्द्रित दृष्टिकोण) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
5. शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (व्यवसाय प्रतिबद्धता) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
6. उच्च तथा निम्न शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

शोध विधि :

प्रस्तुत शोध में अध्ययन के लिए आँकड़ों को एकत्रित करने में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या एवं नमूना :

प्रस्तुत शोध–पत्र के अध्ययन के लिए उ0प्र0 राज्य के बिजनौर जिले की धामपुर तहसील में संचालित उ0प्र0 माध्यमिक बोर्ड, इलाहाबाद (प्रयागराज) से मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 200 शिक्षकों (100 पुरुष शिक्षकों तथा 100 महिला शिक्षकों) को चयनित किया गया है।

शोध उपकरण :

प्रस्तुत शोध–पत्र में शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता को मापने के लिए डॉ0 सुभाष सरकार एवं अभीजीत देब द्वारा विकसित शिक्षण प्रभावशीलता मापनी (TES-SSDA) का प्रयेाग किया गया जो कि मानकीकृत उपकरण है। तथा शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति को मापने के लिए डॉ0 उम्मे कुलसुम द्वारा विकसित शिक्षा अभिवृत्ति मापनी (ASTTR-KU) प्रयोग की गयी है।

सांख्यिकी तकनीकी :

माध्य

मानक विचलन

't' परीक्षण

कॉल पियर्सन का सह–संबंध गुणांक

आँकड़ों का विश्लेषण :

परिकल्पना–1 माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

चर	*N*	*r*	*Table Value*	परिणाम सार्थक स्तर (0.05)
शिक्षण अभिवृत्ति	200	0.042	0.138	परिकल्पना सार्थक नहीं है।
शिक्षण प्रभावशीलता				

परिणाम : उपरोक्त तालिका के अनुसार दो चरों के सन्दर्भ में माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति तथा शिक्षण प्रभावशीलता के बीच सकारात्मक सह–संबंध होता है।

परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त तालिका में प्रयुक्त दो चरों के सन्दर्भ में माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति तथा शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध गुणांक (r) का मान 0.042 है जो कि सार्थकत स्तर (0.05) पर (N=200) के सार्थक मान 0.138 से कम है। अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है। इसलिए माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया जाता है।

परिकल्पना–2 माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (शिक्षण के प्रति रूचि) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

चर	*N*	*r*	*Table Value*	परिणाम सार्थक स्तर (0.05)
शिक्षण अभिवृत्ति आयाम (शिक्षण के प्रति रूचि)	200	0.025	0.138	परिकल्पना सार्थक नहीं है।
शिक्षण प्रभावशीलता				

परिणाम : उपरोक्त तालिका के अनुसार माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (शिक्षण के प्रति रूचि) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया गया। अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है।

परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त तालिका के अनुसार माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (शिक्षण के प्रति रूचि) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध गुणांक का मान 0.025 है जो कि सार्थकता स्तर (0.05) पर (N=200) के मान 0.138 से कम है। अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है।

इसलिए माध्यमिक शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (शिक्षण के प्रति रूचि) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया गया है।

परिकल्पना–3 माध्यमिक स्तर के शिक्षको की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (नवाचार) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

चर	*N*	*r*	*Table Value*	परिणाम सार्थक स्तर (0.05)
शिक्षण अभिवृत्ति आयाम (नवाचार)	200	0.021	0.138	परिकल्पना सार्थक नहीं है।
शिक्षण प्रभावशीलता				

परिणाम : उपरोक्त तालिका के अनुसार माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (नवाचार) तथ उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया जाता है।

अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है।

परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त तालिका के अनुसार माध्यमिक सतर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम नवाचार) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध गुणांक का मान 0.021 है जो कि सार्थकता स्तर (0.05) पर (N=200) के मान 0.138 से कम है।

अतः यह परिक्लपना सार्थक नहीं है। इसलिए इनके मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया जाता है।

परिकल्पना–4 माध्यमिक स्तर के शिक्षको की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (विद्यार्थी–केन्द्रित दृष्टिकोण) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं होता।

चर	*N*	*r*	*Table Value*	परिणाम सार्थक स्तर (0.05)
शिक्षण अभिवृत्ति आयाम (विद्यार्थी केन्द्रित दृष्टिकोण)	200	0.032	0.138	परिकल्पना सार्थक नहीं है।
शिक्षण प्रभावशीलता				

परिणाम : उपरोक्त तालिका के अनुसार माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (विद्यार्थी–केन्द्रित दृष्टिकोण) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया गया है। अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है।

परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त तालिका के अनुसार माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (विद्यार्थी–केन्द्रित दृष्टिकोण) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध गुणांक 0.032 है जो कि सार्थकता स्तर (0.05) पर (N=200) के मान 0.138 से कम है। अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है। इसलिए माध्यमिक शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (विद्यार्थी केन्द्रित दृष्टिकोण) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया जाता है।

परिकल्पना–5 शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (व्यवसाय प्रतिबद्धता) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

चर	*N*	*r*	*Table Value*	परिणाम सार्थक स्तर (0.05)
शिक्षण अभिवृत्ति आयाम (व्यवसाय प्रतिबद्धता)	200	0.029	0.138	परिकल्पना सार्थक नहीं है।
शिक्षण प्रभावशीलता				

परिणाम : उपरोक्त तालिका के अनुसार शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (व्यवसाय प्रतिबद्धता) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया जाता है। अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है।

परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त तालिका के अनुसार शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (व्यवसाय प्रतिबद्धता) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध गुणांक का मान 0.029 है जो कि सार्थकता स्तर (0.05) पर (N=200) के मान 0.138 से कम है। अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है। इसलिए माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (व्यावसायिक प्रतिबद्धता) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया जाता है।

परिकल्पना–6 उच्च तथा निम्न शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता।

चर	N	M	SD	t-value	table value	परिणाम सार्थकता स्तर 0.05
उच्च शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकगण	54	82.32	5.18	1.02	1.96	परिकल्पना सार्थक नहीं है।
निम्न शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकगण	54	61.18	3.15			

परिणाम : उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकगणों तथा निम्न शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकगणों के शिक्षण प्रभावशीलता के सन्दर्भ में 't' का मान 1.02 है जो कि सार्थकता स्तर (0.05) के मान 1.96 से कम है। अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है।

परिणाम की व्याख्या :

उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च शिक्षण अभिवृत्ति (कुल उच्च शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकों 27%) वाले शिक्षकों का मध्यमान 82.32 तथा मानक विचलन 5.18 है। जबकि निम्न शिक्षण अभिवृत्ति (कुल निम्न शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकों 27%) वाले शिक्षकगणों का मध्यमान 61.18 तथा मानक विचलन 3.15 है जबकि इनका शिक्षण प्रभावशीलता के सन्दर्भ में 't' का मान 1.02 है जो कि सार्थकता स्तर (0.05) के मान 1.96 से कम है। अतः यह परिकल्पना सार्थक नहीं है।

इसलिए उच्च शिक्षण अभिवृत्ति तथा निम्न शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकगणों की शिक्षण प्रभावशीलता में अन्तर पाया जाता है।

आरेख सं0–1

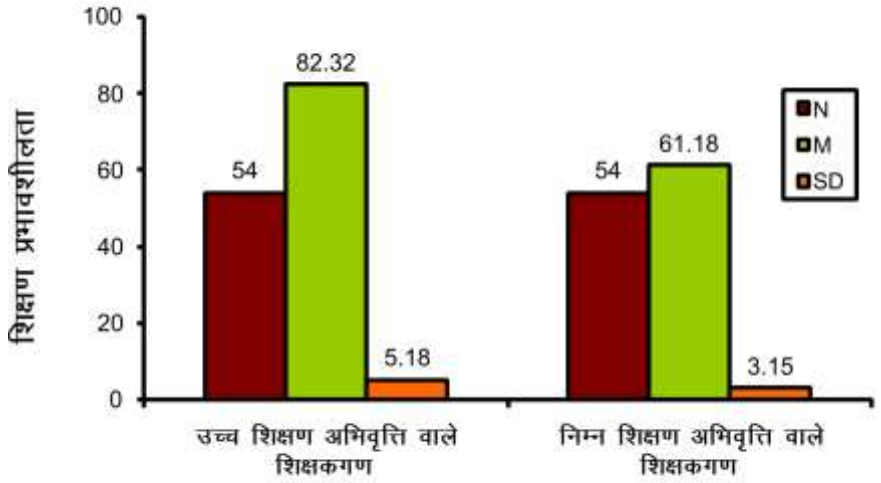

माध्यमिक स्तर के उच्च/निम्न शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकगण

निष्कर्ष :

प्रस्तुत शोध अध्ययन के आँकड़ों का विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्षों की विवेचना के बाद निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तरों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति तथा अभिवृत्ति के आयामों और उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सह–संबंध पाया जाता है। अर्थात् शिक्षण अभिवृत्ति और उनके आयाम शिक्षण प्रभावशीलता को प्रभावित करते हैं।

परिचर्चा :

सम्पूर्ण स्तर की शिक्षा में माध्यमिक स्तर की शिक्षा को अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। आँकड़ों के निष्कर्षों की विवेचना से पता चला है कि इस तरह के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति। तथा अभिवृत्ति के आयाम उनकी शिक्षण प्रभावशीलता को प्रभावित करते हैं तथा उनके मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया जाता है। इसलिए इस स्तर की शिक्षण को शिक्षण अभिवृत्ति में वृद्धि करने के विषय पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी तथा इसके लिए समय–समय पर शिक्षकों को प्रशिक्षण आदि की सुविधाएँ भी उपलब्ध कराना अनिवार्य है। प्रस्तुत शोध के अध्ययन से पता चलता है कि माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षण अभिवृत्ति तथा शिक्षण अभिवृत्ति के आयाम (शिक्षण के प्रति रूचि, नवाचार, विद्यार्थी केन्द्रित दृष्टिकोण, व्यावसायिक प्रतिबद्धता) तथा उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया जाता है। इस अध्ययन से पूर्व में भी विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने इस विषय का अध्ययन किया और बताया कि शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति, शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता को प्रभावित करती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :

[1] एडम्स जे0एफ0 (1964), अंडर स्टैंडिंग टीचिंग, न्यूयॉर्क, होल्ट, राइन हार्ट एट विस्टन

[2] एन0एस0 गेज (1963), शिक्षण पर अनुसंधान की पुस्तिका में, शिकागो : रैंड मैकनैली प्रकाशन

[3] स्मिथ (1957), पाठ्यक्रम विकास के मूल तत्व, न्यूयॉर्क, वर्ल्ड बुक कम्पनी

[4] ब्रोकर (2013), ए स्टडी ऑफ टीचर इफैक्टिवनेस ऑफ सैकेण्डरी स्कूल टीचर्स इन रिलेसन टू टीचर स्ट्रैस। इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ हूमेनिटिज एण्ड सॉशल साईंस 2(12). 13-16. रिटरावईड फ्रॉम http://iihssi.org/papers/V2(12)/Version3) CO21203013016

[5] थर्स्टन (1929), दा मेजरमेन्ट ऑफ एटीट्यूड, यूनिवर्सिटी ऑफ चिकागो प्रेस।

[6] रेड्डी (2001), ए स्टडी ऑफ जॉब सेटिसफैक्सन एण्ड टीचर इफैक्टिवनेस ऑफ प्राइमरी स्कूल टीचर्स, पीएच–डी0 (ऐजुकेशन), इन एम0बी0 बच (ऐडिसन), सिक्स सर्वे ऑफ एजुकेशनल रिसर्च (1993–2006) नई दिल्ली, एन0सी0ई0आर0टी0 रिटरावईड फ्रॉम http://www.eduresearch.dauniv.ac.in

[7] विजयलक्ष्मी जी0 (2015), शिक्षण प्रभावशीलता और महिला शिक्षकों की नौकरी की संतुष्टि का अध्ययन, शोध एजुकेशन, पीएच–डी. स्वामी विवेकानन्द विश्वविद्यालय, चितूर, आन्ध्र प्रदेश।

[8] हरिप्रिया सी0 (2018) माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन, शोध शिक्षाशास्त्र स्वामी विवेकानन्द विश्वविद्यालय, चितूर, आन्ध्र प्रदेश।

[9] सिंह वाई0जी0 (2022), कुछ चरों के सम्बन्ध में शिक्ष्ज्ञण प्रभावशीलता गलैक्सी इण्डिया ओनल इण्टरडिस्पिलनरी रिसर्च जर्नल, शोध–पत्र शिक्षाशास्त्र, वॉल्यूम–21

[10] श्री0 निवासुलु बी0 (2022), मानसिक, स्वास्थ्य, तनाव और भावनात्मक बुद्धिमता के सम्बन्ध में शिक्षकों की प्रभावशीता पर एक अध्ययन, इण्डियन एजुकेशन रिव्यू।

[11] बोरकर उषा0 ए0 (2023), शिक्षक तनाव के सम्बन्ध में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन। शोध शिक्षाशास्त्र मुंबई विश्वविद्यालय, मंबई।

[12] मलिक उमेन्द्र (2024), लिंग और इलाके के संबंध में शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन शोध की शिक्षाशास्त्र महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक, हरियाणा

[13] खटाल, एन0 मोहन (2024), शिक्षण प्रभावशीलता के मनोवैज्ञानिक सह–संबंध शोध एजुकेशन पीएच–डी0 स्वामी दयानन्द तीर्थ मराठावाईज विश्वविद्यालय

[14] सोई बेम्चा (2016), एटीट्यूड ऑफ टीचर्च टूवर्ड्स टीचिंग प्रोफेशन, जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड साइकोलॉजी, 39(2), 112-118

[15] विजय एवं वंशत्राद (2016), रिलेशनशिप बिटविन जॉब सेटिसफैक्शन एण्ड एटी्टयूड टीचिंग प्रोफेशन ऑफ मेल एण्ड फीमेल सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स ऑफ गदगा डिस्ट्रिक्ट, जर्नल ऑफ दा फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, 9(6), 27-42

[16] शर्मा (2015), इंस्टीट्यूट ऑफ द सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स चण्डीगढ़ टूवर्ड्स टीचिंग प्रोफेशन इन रिलेशन टू टीचिंग कॉम्पेटेन्सीज, एम0आई0ई0आर0 जर्नल ऑफ एजुकेशन स्टडीज, ट्रैण्डस एण्ड प्रैक्टिस, 4(1), 51-65.

[17] कुमार (2015), राजकीय एवं गैर राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन। प्रकाशित एम0एड0 शोध प्रबन्ध शिक्षा संकाय, चौधरी, चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

[18] रोनाड (2014), ए स्टडी ऑफ टीचर्स वैल्यू एण्ड देयर टू जॉब सेटिसफैक्सन, इण्डियन जर्नल ऑफ साइकोमेट्री एण्ड एजुकेशन, 43(2), 65-68

[19] बनर्जी एवं बेहेरा (2014) एन इनवेस्टीगेशन इन टू द एटीट्यूड ऑफ सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स टूवर्ड्स, टीचिंग प्रोफेशन इन पुललिया डिस्ट्रिक्ट ऑफ वैस्ट बंगाल इण्डिया, शोध शिक्षाशास्त्र, शिक्षा संकाय, सिद्धो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय, पुललिया वेस्ट बंगाल।

[20] त्रिवेदी (2012), ए स्टडी ऑफ एटीट्यूड ऑफ टीचर्स टूवर्ड्स टीचिंग ऑफ प्रोसपेक्टिव टीचर्स, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड इनोवैटिव टैक्नोलॉजी (आई0जे0ई0टी0आई0), 2(1), 388

[21] साहनी (2011) एटीट्यूड टुवर्डस टीचिंग इफैक्टिवनेस ऑफ प्रोस्पेक्टिव टीचर्स, इण्डियन जर्नल ऑफ साइकोमेट्री एण्ड एजुकेशन, 44(1), 55-58

[22] हुसैन (2011) माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन, शोध प्रबन्ध शिक्षाशास्त्र, महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

[23] सिंह (2011) विद्यालयी शिक्षकों एवं कॉलेज के शिक्षकों की व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन, पीएच–डी0 शोध प्रबन्ध, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़

Cite Your Article as
Rekha Rani & Dr. Kaushal Sharma. (2026). MADHYAMIK STAR PAR SHIKSHKO KI ABHIVRUTTI KA UNAKI SHIKSHAN PRABHAVSHILATA PAR PADANE VALE PRABHAV KAVISHLEHSANATMAK ADHYAYAN. Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language, 14(73), 306–318. https://doi.org/10.5281/zenodo.18770353

Copyright@2026 Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language